NEWS CLIPPING: 31.05.2021

PUNJAB KESARI

कोरोना काल में मीडिया सकारात्मक खबरों से लोगों में पैदा कर सकता है विश्वास और जागृति : आलोक मेहता

■ देश विदेश के पाठकों में मातृभाषा आधारित मीडिया ज्यादा प्रचलित: कुलपति दिनेश कुमार

फरीदाबाद, 30 मई (पूजा शर्मा): कोरोना काल में मीडिया सकारात्मक खबरों से लोगों में विश्वास और जागृति पैदा कर सकता है। यह कहना है वरिष्ठ पत्रकार एवं पद्मश्री आलोक मेहता का जो आज जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता थे। यह वेबिनार विभाग द्वारा 'मीडिया की बात-आपके साथ' नामक साप्ताहिक वेबिनार श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित किया गया था

हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें नौ राज्यों से 165 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 'हिंदी पत्रकारिता-कल, आज और कल' विषय पर आयोजित वेबिनार में पद्मश्री आलोक मेहता ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता की पहली हिंदी पत्रिका उदन्त मार्तण्ड बेशक 1826 में कलकत्ता से प्रकाशित हुई किंतु इस साप्ताहिक पत्रिका ने सम्पूर्ण भारत के लोगों में भारत की आजादी की अलख जगाई।

वेबिनार को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता पद्मश्री आलोक मेहता।

उन्होंने आगे कहा कि तब से अब तक भारतीय मीडिया में बहुत तकनीकी और सामग्री आधारित महत्वपूर्ण बदलाव हुए है। मुख्य वक्ता ने छात्रों के प्रश्नों के संतोषपूर्वक जवाब भी दिए। वेबिनार की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हिंदी पत्रकारिता की जन-जन तक पहुंच है।

उन्होंने अपने विदेश प्रवास का अनुभव साझा करते हुए कहा कि डिजिटल मीडिया ने हिंदी पत्रकारिता की पहुंच विदेशों तक की है शायद इसी लिए हिंदी अखबार आज विश्वभर में सबसे ज्यादा प्रकाशित होते और पढ़े जाते है। उन्होंने आगे कहा कि पत्रकारिता के छात्रों का भविष्य हिंदी पत्रकारिता में सुनहरा है। उन्होंने कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा किये जा रहे इस प्रकार के मीडिया संवाद को उन्होंने सराहनीय प्रयास बताया। और इस प्रकार के कार्यक्रमों से वास्तव में मीडिया के विद्यार्थियों को बहुत कुछ नया सीखने को मिलेगा, ऐसा विश्वास जताया।